

श्रीमद्

गृह निवास अधिकारी,
लैला लैला,
उत्तर प्रदेश गोपनीय।

लेखा द्वारा

प्राप्त
कृष्णार्थ भाषण किया गया,
गोपनीय-2 तक पूर्ण
श्रीमद विद्वार, वडे दिल्ली।

संखा 170 अनुभाग

मुद्रण: दिनांक: 17 अप्रैल, 2000

विषय:- उदया प्रधान सून अमृतीयार्थ श्रीमद विद्वारा भाषण भियाबाट दो
लाख०सौ०स०रुप्प रुप्प दिल्ली से तक्षल हेतु अनुरूपित इमाम पर निर्वाचन
होने के बाब्य में।

क्रमोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह बते का निर्देश द्वारा है कि उदया प्रधान सून
अमृतीयार्थ श्रीमद विद्वारा भाषण भियाबाट दो लाख०सौ०स०रुप्प रुप्प दिल्ली से
तक्षल हेतु अनुरूपित प्रशासन पर एक बाजे भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट
प्रतिवेदी के अधीन आरक्षा नहीं है :-

- 111 विधायक जो दैनिक विद्वारा भाषण के लिये विद्वारा नामक रुप्प तक्षल
भारी विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 121 विधायक जो प्रत्येक विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नामक रुप्प तक्षल
विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 131 विधायक जो विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 141 विधायक जो विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 151 विधायक जो विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 161 विधायक जो विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।
- 171 विधायक जो विधायक भै राज्य राज्यराज शे भियाबाट नियोजित करना।

- 188 उत्तराय का रातों विराजित पुण्य/विषयों में रहा थायेगा ।
 191 उत्तरायों में राज्य भवान के पुण्यनुसूटों के लिए शोई वरिक्षण/लिंगोपन
 वा वरिष्ठन नहीं किए बायेगा ।

2- उक्त प्राप्तियों का प्रतिन वर्णन अन्यथा नहीं हो सकता और यहि
 लिंग तम्ही प्रवादादाता है जो नहीं रातों उक्त प्राप्तियों का प्रतिन नहीं
 लिंग वा रातों है उक्ता प्राप्ति इसे ही लिंग प्राप्ति के द्वारा लिंगिता करती
 हो रही है तो राज्य भवान यहां प्रतिन अन्यथा उपाय नहीं बायेगा तो लिंग
 बायेगा ।

भद्रीय,

। यथाय तुन्द्रा ग्रामीणों
 लिंगत विष्य ।

लिंग - 3576111/15-7-न्द्र दिनांक

उक्त लिंगित विष्याय को तुम्हारी सहेज जापा - ० छार्चितों हेतु प्रेषित :-

- 1- लिंग विदेशी उत्तराय इस्तेसु अस्तु ।
 2- नक्षत्रीय उक्त साधा विदेशी, लिंगाद ।
 3- लिंग लिंगाय । लिंग, लिंगाद ।
 4- नेतिरोधक अंग्रेज भारतीय लिंगाय 3050, नाम्नो ।
 5- उक्त उदया प्रक्रिय रक्ता अर्थात् रातों विद्युता परिवर्ता मार्ग,
 लिंगाद ।
 6- नाई लाई ।

प्रति न.

संकेत

। यथाय तुन्द्रा ग्रामीणों
 हेतु लिंगत विष्य ।